ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–७६
दिनांक- शुक्रवार, २१ अक्टूबर, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 31.3 एवं 19.5 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 97 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 56 प्रतिशत, हवा की औसत गति 1.3 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 2.7 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.7 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 24.7 एवं दोपहर में 32.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(22–26 अक्टूबर, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 22–26 अक्टूबर, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में अगले दो से तीन दिनों तक आसमान साफ तथा उसके बाद २५–२६ अक्टूबर को आसमान में हल्के से मध्यम बादल देखे जा सकते है। सभी जिलों में आमतौर पर मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है हलाकि २५–२६ अक्टूबर को बेगुसराई तथा वैशाली जिलों के एक– दो स्थानों पर हल्की बूंदाबूंदी हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 29–31 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 18–20 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में पछिया हवा चलने का अनुमान है। औसतन 5–10 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- सरसों एवं राई की बुआई करें। सरसों के लिए उन्नत प्रभेद 66–197–3, राजेन्द्र सरसों–1 तथा स्वर्णा एवं राई के लिए किस्में वरुणा, पूसा वोल्ड, क्रान्ति एवं पूसा महक इस क्षेत्र के लिए अनुसंषित हैं। बीज दर 5 किलोंग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बुआई 30X10 से0मी0 पर कतार में करें। बुआई के समय खेत की जुताई में 30–40 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम स्फुर, 40 किलोग्राम पोटास एवं 30 से 40 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे।
- मसुर के मल्लिका(के0–75), अरुण (पी0एल0 77–12), बी0आर0–25 के0एल0एस0– 218, एच0यू0एल0–57, पी0एल0–5 एवं डब्लू0वी0एल0 77 किस्मो की बुआई 15 अक्टुबर के बाद कर सकते है। बुआई के समय खेत की जुताई में 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम फॉसफोरस, 20 किलोग्राम पोटास एवं 20 किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बुआई के 2–3 दिन पूर्व कार्बेन्डाजीम फूंदनाषक दवा का 1.0 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से शोधित करें। तत्पष्चात कीटनाषी दवा क्लोरपाईरीफॉस 20 ई.सी. का 8 मि.ली. प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर (5 पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें। छोटे दाने की प्रजाति के लिए बीज दर 30–35 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर एवं बड़े दाने के लिए 40–45 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर एवं बुआई की दुरी पंक्ति से पंक्ति 30 से0मी0 रखें।
- धनियाँ की बुआई करें। राजेन्द्र स्वाती, पंत हरितिमा, कुमारगंज सेलेक्षन, हिसार आंनद धनियाँ की अनुसंषित किस्में है। पंक्ति में लगाने पर बीज दर 18–20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी 30X20 से0मी0 रखें। बीज को 2.5 ग्राम बेविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। अच्छे जमाव के लिए बीज को दररकर दो भागो में विभाजित कर बुआई करें। खेत की जुताई में 100 से 150 क्विंटल सड़ी गोबर की खाद, 30 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम स्फुर एवं 30 किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे।
- रबी प्याज की बुआई नर्सरी में करें। इसके लिए एग्रीफाउण्ड लाईट रेड, अर्का निकेतन, एन 2–4–1, नासिक रेड, पूसा रेड एवं भीमाराज किस्में अनुसंषित है। बीज दर 8–10 किलो प्रति हेक्टेयर रखें। पौधषाला में क्यारियों की चौड़ाई 1.0 मीटर एवं लंबाई अपने सुविधानुसार 3 से 5 मीटर रख सकते है। प्रत्येक 2 क्यारियों के बीच जल निकास के लिए नाली अवष्य बनावें। सदैव उपचारित बीज का प्रयोग करें।
- लहसुन की बुआई छोटी–छोटी क्यारियों में करें। क्यारियों का आकार जिसमें चौराई 1 से 2 मीटर तथा लम्बाई अपनेनुसार 3 से 5 मीटर रखें। प्रत्येक 2 क्यारियों के बीच जल निकास के लिए नाली अवष्य बनावें। गोदावरी (सेलेक्सन–1), श्वेता (सेलेक्सन–10), एग्रीफाउंड डार्करेड (जी–11), एग्रीफाउंड व्हाईट (जी–41), एग्रीफाउंड पार्वती (जी–313), जमुना सफेद–2 (जी0–50), जमुना सफेद–3 (जी0–282), जमुना सफेद–4 (जी0–323) एवं आर0ए0यू0 (जी–5) लहसुन की अनुसंषित किस्में है। बीज दर 300–500 किलोग्राम जावा प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी 15ग10 से0मी0 रखें। खेत की जुताई में प्रति हेक्टेयर 200 से 250 क्विंटल कम्पोस्ट, 60 किलोग्राम नेत्रजन, 80 किलोग्राम फॉसफोरस, 80 किलोग्राम पोटास एवं 20–40 किलोग्राम सल्फर का प्रयोग करें।
- सूर्यमुखी की बुआई करे। बुआई के समय खेत की जुताई में 30–40 किलोग्राम नेत्रजन, 80–90 किलोग्राम फॉस्फोरस एवं 40 किलोग्राम पोटास का व्यवहार करे। उत्तर बिहार के लिए सूर्यमूखी की उन्नत संकुल प्रभेद मोरडेन, सूर्या, सी0ओ0–1 एवं पैराडेविक तथा संकर प्रभेद के लिए बी0एस0एच0–1, के0बी0एस0एच0–1, के0बी0एस0एच0–44, एम0एस0एफ0एच0–1, एम0एस0एफ0एच0–8 एवं एम0एस0एफ0एच0–17 अनुसंषित है। संकर किस्मों के लिए बीज दर 5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा संकुल किस्मों के लिए 8 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई से पहले प्रति किलोग्राम बीज को 2 ग्राम थीरम या कैप्टाफ दवा से उपचारित कर बुआई करे।
- आलू, मक्का, चना के लिए खेतों की तैयारी करें। गोबर की सडी खाद 150–200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से पुरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर एवं जुताई कर मिला दें।

आज का अधिकतम तापमानः 31.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.2 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 19.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.8 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)